floated and who were the members on its Board of Directors and how the same Board continued ;

(b) the names of the Chairman, General Manager and members of the Board of Directors at present, when they were appointed, their tenure and terms of appointment ; and

(c) the loss company suffered on account of irregularities, theft, stock shortage and fire or any other such causes and whether these matters were looked into and if so, the result thereof and, if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH): (a) and (b). I lay a statement on the Table of the Lok Sabha. [*Placed in Library. See* No. LT-2562/68.]

(c) The irregularities etc., if any, are noted in course of audit and mentioned in the audit report. The audit report for each year, along with the relevant Annual Accounts, are placed on the Table of the House annually.

दिल्ली परिवहन उपक्रम

*580. **श्री टी० पी० शाह :**
श्री भरत सिंह चौहान :
श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री हरदयाल देवगुण :

क्या **परिवहन तथा नौवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि दिल्ली परिवहन उपक्रम ने 1 जुलाई, 1968 से 30 सितम्बर, 1968 तक नई दिल्ली योजना के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों पर चल रही गैर-सरकारी बसों के मालिकों से किराये के रूप में कितनी धन राशि प्राप्त की और इस बसों के मालिकों को कितनी धन राशि दी ?

परिवहन तथा नौवहन मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री भक्त दर्शन) : पहली जुलाई, 1968 से 30 सितम्बर, 1968 तक की अवधि में निजी बसों में जारी किये गये टिकटों की बिक्री से 20.46 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई और इन बसों के मालिकों को 19.80 लाख रुपये की राशि दी गई।

राजनैतिक नेताओं के विरुद्ध केन्द्रीय जांच विभाग द्वारा जांच

*582. **श्री वंश नारायण सिंह :**
श्री वृज भूषणलाल :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों में केन्द्रीय जांच विभाग द्वारा जिन राजनैतिक नेताओं के विरुद्ध जांच की गई है उनका ब्यौरा क्या है; और

(ख) उनके विरुद्ध लगाये गये आरोपों का ब्यौरा क्या है और केन्द्रीय जांच विभाग द्वारा की गई जांच के निष्कर्षों पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मन्त्री श्री (यशवन्तराव चव्हाण) : (क) पिछले तीन वर्षों में केन्द्रीय जांच विभाग द्वारा जांच किये गये 13 मामलों में अन्यों के साथ-साथ एक मुख्य मन्त्री सहित 3 सदस्य विधान सभा, 6 संसद् सदस्य, 1 भूतपूर्व संसद् सदस्य, 4 नगर पार्षद् तथा एक राजनीतिक दल की एक प्रदेश समिति का एक सदस्य शामिल है।

(ख) आरोप धन/सोने के दुर्विनियोग, ठगी, विश्वासघात, मोटर कार (वितरण व बिक्री) नियंत्रण आदर्श के उल्लंघन में कार की बिक्री, अवैध परितुष्टि स्वीकार करना, आयात लाइसेंसों का दुरुपयोग, इत्यादि से संबंधित थे। इन मामलों में से तीन प्रमाणित नहीं किये जा सके, 1 में दोषमुक्ति की गयी, 2 न्यायालय में अनिर्णीत पड़े हैं, 3 में दोष सिद्ध हुए, साक्ष्य के अभाव में 2 मामले छोड़ दिये गये, 1 की जांच की जा रही है और एक मामले में आरोप-पत्र न्यायालय में दायर करने का विचार है।

दिल्ली विश्वविद्यालय तथा राजस्थान की पालिटेक्निक इन्स्टीट्यूटों का बन्द किया जाना

*583. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी :** क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली विश्वविद्यालय और राजस्थान की पालिटैक्निक